दिनांक : 30 अप्रैल, 2014

चुनाव प्रचार डायरी – 30/04/2014

– अरूण जेटली
राज्यसभा में विपक्ष के नेता

अमृतसर में आज मतदान है। इस गर्मी में चुनाव प्रचार के लिए अमृतसर में छह सप्ताह बिताने के बाद, अब समय है जब मैं अन्य राज्यों की तरफ बढ़ूं जहां अभी चुनाव होना बाकी है। अमृतसर में स्वादिष्ट भोजन का मजा मेरे प्रवास का महत्वपूर्ण हिस्सा था। मैं अमृतसर को हमेशा से भारत की फूड कैपिटल मानता हूं।

अमृतसर के कुलचे और चनों ने अपनी राष्ट्रीय छाप छोड़ी है। भारत के अधिकतर भागों में प्रत्येक शीर्ष कैटरर के व्यंजनों की सूची का महत्वपूर्ण हिस्सा अमृतसरी ढाबा होता है। अमृतसर में कुलचों के साथ चना और प्याज की चटनी दी जाती है जो शहर के प्रत्येक भोजनालय में उपलब्ध है। लोग नाश्ते में, दोपहर के भोजन या यहां तक रात के भोजन में कुलचा चना खाना पसंद करते हैं।

अमृतसर में नाश्ते में आज भी भरवां पराठे या पूरी छोले खाए जाते हैं। शहर की परम्परा के अनुसार आज भी लोग घर में पकाने के बजाय प्रसिद्ध हलवाइयों से पूरी छोले मंगवाना पसंद करते हैं। पुराने शहर के अधिकांश भागों में उनके अपने खास हलवाई हैं। लेकिन शहर में सबसे प्रसिद्ध लारेंस रोड स्थितं 'कन्हैया' है। चनों में करी तैयार करने के लिए आलू मिलाए जाते हैं। नाश्ते की बेहद तारीफ होती है लेकिन इसमें ज्यादा कैलॉरी होने के कारण इसे कभी–कभार खाया जा सकता है। अधिकतर हलवाइयों की दुकानों में अमृतसरी लस्सी मिलती है। लेकिन आहूजा'' और 'ज्ञान' काफी प्रतिष्ठित हैं। दोनों ही नींद नहीं आने का इलाज कर देते हैं। शाकाहारी भोजन के लिए ''केसर'' का दबदबा आज भी कायम है। यह शहर के सबसे मशहूर ढाबों में से एक है। ''भरवां'' के नाम से ढाबों की कड़ी ''भरवां'' अथवा ''ब्रदर्स'' में भी शाकाहारी भोजन का लुत्फ उठाने के लिए पर्यटकों और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ लगी रहती है।

मांसाहारी भोजन खाने वालों के लिए 'सुरजीत' का नाम लेना काफी है। उसके तंदूरी चिकन, अमृतसरी मछली और मटन चैम्प्स (ओल्ड इंगलिश कटलेट की तरह पकाए जाते हैं) का नाम लेते ही मुंह में पानी आने लगता है। 'मक्खन' मछली स्वादिष्ट भोजन पसंद करने वालों के लिए है। मैंने अब तक जिसका लुत्फ नहीं उठाया है लेकिन लोगों ने मुझे जिसका मजा लेने की सलाह दी है वह है 'बीरा' जिसे उच्च क्वालिटी का चिकन कहा जाता है।

चाय की दुकान 'ज्ञानी' में सुबह की चाय के वक्त पूरे शहर में चल रही चर्चाओं को सुना जा सकता है। यह मेरे लिए लोधी गार्डन की चाय का विकल्प था।

मुझे लगता है कि इन जबरदस्त जगहों को देशभर में ब्रांड मूल्य मिलेगा।

*****